

धर्मिष्ठ वि. (तत्.) 1. अत्यंत धार्मिक 2. पुण्यात्मा 3. सदाचारी।

धर्मी वि. (तत्.) 1. धर्म का अनुसरण करने वाला, धर्म को करने या मानने वाला प्रबो. सनातन धर्मी, भिन्न धर्मी 2. धार्मिक, पुण्यात्मा 3. किसी विशिष्ट गुण-धर्म आदि से युक्त प्रबो. तापधर्मी, शीतधर्मी पुं. 1. जिसमें कोई धर्म या वृत्ति रहे 2. गुण या धर्म का आश्रय 3. धार्मिक व्यक्ति 4. विष्णु।

धर्मीपुत्र पुं. (तत्.) 1. अभिनेता 2. नट।

धर्मद्र पुं. (तत्.) 1. यमराज 2. युधिष्ठिर।

धर्मयु पुं. (तत्.) महाभारत के अनुसार पुरुवंशी राजा शैद्राश्व का एक पुत्र।

धर्मेश पुं. (तत्.) यमराज।

धर्मेश्वर पुं. (तत्.) दे. धर्मेश, यमराज।

धर्मोत्तर वि. (तत्.) 1. धर्म के क्षेत्र में बढ़ा-चढ़ा 2. अति धार्मिक 3. परम न्यायी।

धर्मोन्माद पुं. (तत्.) 1. धार्मिक कट्टरता अथवा असहिष्णुता से उत्पन्न उन्माद उदा. 1947 में भारत-पाकिस्तान बँटवारे के समय देश के कई हिस्सों में धर्मोन्माद फैल गया था।

धर्मोपदेश पुं. (तत्.) धर्म संबंधी प्रवचन, उपदेश, शिक्षा प्रबो. रामकृष्ण परमहंस के धर्मोपदेश बहुत सरस हुआ करते थे।

धर्मोपदेशक पुं. (तत्.) धर्म-प्रवचन करने वाला, धर्म संबंधी उपदेश देने वाला, धर्म की शिक्षा देने वाला उदा. हमारे देश में कई महान धर्मोपदेशक हुए हैं।

धर्मोपाध्याय पुं. (तत्.) पुरोहित प्रबो. धर्मोपाध्यायों के बिना हिंदुओं के धार्मिक कृत्य संपन्न नहीं होते।

धर्म्य वि. (तत्.) 1. धर्म के अनुकूल, धर्मसंगत, धर्म संबंधी 2. जो धर्म से प्राप्त हो 3. पुण्यकर 4. न्यायपूर्ण।

धर्म्य-विवाह पुं. (तत्.) धर्म-विवाह, धार्मिक रीति-रिवाज के अनुसार संपन्न विवाह।

धर्ष पुं. (तत्.) 1. अविनीत व्यवहार, धृष्टता, गुस्ताखी, ढिठाई 2. असहनशीलता 3. अधीरता, बेसब्री 4. अनादर, अपमान 5. सती व्यवहरण 6. नामर्द, नपुंसक 7. हिंसा 8. अशक्तता, असमर्थता 9. रोक, प्रतिबंध।

धर्षक वि. (तत्.) 1. धृष्टता करने वाला, ढिठाई करने वाला 2. अपमान करने वाला 3. व्यभिचारी (पुं.) नट, अभिनेता।

धर्षकारिणी वि. (तत्.) व्यभिचारिणी।

धर्षकारी वि. (तत्.) 1. ढिठाई/धृष्टता करने वाला 2. अपमान करने वाला, अवज्ञा करने वाला 3. व्यभिचारी।

धर्षण पुं. (तत्.) 1. अनादर, अपमान, अवज्ञा 2. पराभव 3. असहनशीलता 4. सतीत्वहरण 5. रति 6. शिव 7. एक प्रकार का पुराना अस्त्र 8. दबाने या दबोचने का कार्य।

धर्षणि स्त्री. (तत्.) असती, कुलटा स्त्री।

धर्षणी स्त्री. (तत्.) दे. धर्षणि, कुलटा स्त्री।

धर्षणीय वि. (तत्.) धर्षण करने योग्य।

धर्षित वि. (तत्.) 1. पराभूत 2. अपमानित पुं. 1. मैथुन, रति 2. अभिमान 3. दमन किया गया।

धर्षिता स्त्री. (तत्.) 1. व्यभिचारिणी, कुलटा 2. वेश्या।

धर्षी वि. (तत्.) 1. आक्रमण करने वाला, धर दबाने वाला, दबोचने वाला 2. नीचा दिखाने वाला 3. घमंडी 4. असहिष्णु 5. संभोग करने वाला।

धलंड पुं. (तत्.) अंकोल का पेड़, ढेरा।

धव पुं. (तत्.) 1. एक वन्य वृक्ष जिसकी पत्ती, फूल, जड़ आदि दवा के तौर पर प्रयोग में आते हैं 2. पति, स्वामी 3. मर्द 4. धूर्त व्यक्ति 5. एक वसु का नाम।

धवई स्त्री. (तत्.) मुख्य रूप से उत्तर भारत में पाया जाने वाला एक वृक्ष जिसके फूल लाल होते